प्रकाशनार्थ

पटना, 16 सितंबर। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) ने आज बिहार के शहरी रूपांतरण कार्यक्रम और प्रस्तावित पटलीपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकास योजना, 2047 पर इसके हितधारकों के साथ परामर्श का आयोजन किया।

इस परामर्श में शिक्षा जगत, ग्राम एवं स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों, विकास क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं तथा अन्य समूहों के हितधारकों ने भाग लिया। इसमें प्रस्तावित विकास योजना तथा बिहार में शहरी रूपांतरण के भविष्य पर विचार-विमर्श किया गया।

चर्चा का एक प्रमुख विषय शहरी नियोजन में डेटा और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग को मजबूत करना था। इसके साथ ही हर नागरिक तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने चर्चा की कि प्रधानमंत्री की गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान किस प्रकार उपयुक्त आंकड़ों, बुनियादी ढांचे से संबंधित जानकारी और विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण को एक साथ लाकर संगठित नियोजन में सहयोग कर सकता है। विकास नियोजन को जमीनी वास्तविकताओं पर आधारित बनाने के लिए संस्थानों और हितधारकों के बीच अधिक समन्वय की आवश्यकता भी रेखांकित की गई।

परामर्श में समावेशी और सहभागी नियोजन के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया | विशेष रूप से उन तंत्रों पर ध्यान दिया गया जिनके माध्यम से अंतिम छोर पर मौजूद समुदायों और उनके प्रतिनिधियों की आवाज नियोजन प्रक्रिया का हिस्सा बन सके। प्रतिभागियों ने चर्चा की कि प्रस्तावित क्षेत्रीय रूपांतरण में केवल बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि स्थानीय आवश्यकताओं तथा मौजूदा सामाजिक और स्थानिक संदर्भ को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

पैनलिस्टों ने प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा की और व्यापक हितधारक परामर्श से पहले इसका शैक्षिक एवं विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया।

इस परामर्श में बिहार में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और विकास नियोजन के क्षेत्र में आद्री की निरंतर सहभागिता को दर्शाया गया है। संस्थान ने दीर्घकालिक शहरी रणनीतियां विकसित करने में डेटा, प्रौद्योगिकी, संस्थागत समन्वय और हितधारकों की भागीदारी को एक साथ लेकर चलने के महत्व पर जोर दिया।

उम्मीद है कि इन चर्चाओं से प्रस्तावित पटलीपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकास योजना, 2047 पर जारी विचार-विमर्श को दिशा मिलेगी और समेकित, सहभागी तथा डेटा-आधारित शहरी विकास के प्रति इसके दृष्टिकोण को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

(अभिषेक प्रसाद)